बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १२ जून, २०११)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००)

सत्संग प्रवीण - १

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग-१ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना - द्वितीय संस्करण, मार्च - २००७

प्र.१ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए । (संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है ।)[६]

१. गुणातीत संत की महिमा : अक्षरब्रह्म गुणातीतानंद स्वामी के शब्दों में (९५)
२. भगवान अक्षरधाम में और पृथ्वी के उपर साकार (२१)
३. उत्पत्ति सर्ग (४६)
४. ब्रह्मभाव प्राप्त करने के लिए उपासना ही एक अनिवार्य साधन है । (२)

प्र.२ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । **[५]**

उदाहरण : ''मारुं धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनुं नाम । तेमां हुं रहुं रे, द्विभुज दिव्य सदा साकार ॥''
उत्तर : धाम में और पृथ्वी पर - दोनों जगह सदा साकार ।

१. यदि गुणातीतानंद स्वामी अक्षरधाम न हों, तो प्रति कँगूरे ब्रह्माण्ड तोड़ने का पाप मुझे लगे । (१४४)
२. 'छोकरे, भगवान की तुलना न कर ।' (६०)
३. कह्युं बहु प्रकारे कल्याण रे, अति अगणित अप्रमाण रे । (६९)
४. ज्ञानमार्ग को ऐसा समझना चाहिए कि किसी भी तरह भगवान के स्वरूप के सम्बन्ध में द्रोह नहीं हो सकता....। (३५)
५. भगवान के आकार का कभी भी खंडन नहीं करना चाहिए । (१३)

प्र.३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[४]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. अक्षरब्रह्म कौन कौन से विविधरूप से कार्य कर रहे हैं ? (११४ से ११७)
(१) ☐ सच्चिदानंद चिदाकाश तेजरूप । (२) ☐ धामरूप में
(३) ☐ साकार मूर्तिमान सदा दिव्यविग्रह । (४) ☐ मनुष्य देहधारी ।

२. उत्पत्तिसर्ग का सच्चे क्रम कौन कौन से हैं ? (४८-४९)
(१) ☐ विराट पुरुष, ब्रह्मा, मरीच्यादिक प्रजापति । (२) ☐ प्रधानपुरुष, महत्तत्त्व, महामाया ।
(३) ☐ परब्रह्म, अक्षरब्रह्म, अक्षरपुरुष । (४) ☐ परब्रह्म, अक्षरपुरुष, अक्षरब्रह्म ।

प्र.४ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन कर के उसका सिद्धांत लिखें । **[४]**

१. स्वामी की महानता तो अनादि से है । (१३२)
२. सच्चे उपासक हो तो ऐसे । (५६)
३. श्रीजीमहाराज के कंधों पर भारी बोझ लगा और वो पसीना-पसीना हो गये । (१२८-१२९)

प्र.५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) **[८]**

१. प्रकट भगवान या भगवान के संत द्वारा मोक्ष (७५)
२. मोक्ष मार्ग में अक्षरब्रह्म की आवश्यकता : परब्रह्म को तत्त्व सहित जानने के लिए (११०)
३. माया के बंधन से छूटकर अंत में मुक्ति पाने के लिए दिव्यभाव रखना आवश्यक है। (२५)
४. सद्गुरु गुणातीतानंद स्वामी मूल अक्षर क्यों हैं ? (१२४)

प्र.६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) **[८]**

१. अक्षर और पुरुषोत्तम के बीच सेवक और स्वामीभाव का अपृथक् सिद्ध संबंध है । (११९)
२. श्रीजीमहाराज के समय में सत्युग था, वही सत्युग स्वामी की उपस्थिति में यहाँ है । (१४७)
३. प्रकट की भक्ति से आंतरिक आनंद एवं शांति की प्राप्ति होती है । (७४)
४. रामानंद स्वामी ने लालजी भक्त को उलाहना दी । (५६, ५७)

प्र.७ उपासना में क्या समझना चाहिए ? और क्या नहीं समझना चाहिए ? उसके आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए । [७]

(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. अक्षरब्रह्म एक ही ..... सेवक के रूप में रहता है । (१५६)
२. अक्षरब्रह्म भी अक्षरधाम में ..... निर्गुण कर देते हैं । (१५६)
३. पुरुषोत्तम की प्रेरणा ..... स्पष्ट भेद है । (१५६)
४. मुक्ति अवस्था में जीवात्मा ..... सर्वोपरिता हमेशा रहती है । (१५७)

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. वचनामृतादि सत्शास्त्रों का ..... ऐसा नहीं समजना चाहिए । (१५९)
६. मुक्त और ..... ऐसा नहीं समजना चाहिए । (१५८)
७. श्रीजीमहाराज के जूते ..... ऐसा नहीं समजना चाहिए । (१५८)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवीण-१**'' परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.८ टिप्पणी लिखिए । भगवान को सर्वकर्ता-हर्ता जानने की आवश्यकता । (९) **[५]**

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ - प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज - प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००३

प्र.९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **[९]**

१. ''आपकी कृपा से मेरी वाणी में ऐसा प्रभाव है ।'' (२६) **अथवा**
२. ''हमारे सर्वोपरि स्वरूप के ज्ञान का प्रसार करो ! अन्यथा मैं तुम्हें इसी देह में सौ साल या हज़ार साल रखूँगा ।'' (११)
३. ''पैसे भी चोरों को दिलवा दिए, अब मेरे पास कुछ नहीं है, में अब क्या लाऊँ ?'' (३९) **अथवा**
४. ''आज से जूते, स्लीपर जो ठीक लगे वह पहनना शूरू करो !'' (४२)
५. ''जो लोग दिन में मेरे पास अपने प्रश्न लेकर आते हैं, उनके लिए भी प्रार्थना करता हूँ ।'' (५८) **अथवा**
६. ''अब हम शराब या ठर्रे से मुंह नहीं लगा सकते !'' (५१)

प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **[८]**

१. कुशलकुंवरबा ने परमचैतन्यानन्द स्वामी को अपने निवासस्थान पर पधारने के लिए निमंत्रित किए । (५७) **अथवा**
२. रघुवीरजी महाराज ने 'सत्संगिजीवन' ग्रंथ की कथा बिठवाई । (५१)
३. डाह्याभाई की आँखों से कृतज्ञता के आँसू बहते चले जा रहे थे । (४७) **अथवा**
४. केन्या के राष्ट्रपति कुछ सोच ही नहीं पाये कि स्वामीश्री की आध्यात्मिक ऊँचाई का मापदण्ड क्या है ? (१६)

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) **[८]**

१. अनुवृत्ति के पालक पर्वतभाई । (६६) **अथवा** २. भगा दोशी की सत्संग-दृढ़ता । (७६)
३. स्वामीजी ! आप कितने सहनशील हैं ! (५२) **अथवा** ४. ऐसे घर को तो तीर्थ कहा जा सकता है । (३६)

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[५]**

१. कुशलकुंवरबाने नश्वर शरीर छोड़ा तब क्या हुआ ? (६४) २. कौन अपने परिवार के साथ गढ़डा जा रहे थे ? (७९)
३. रघुवीरजी महाराज के धर्मपत्नी का नाम क्या था ? (४७) ४. अंग्रेजी रिपोर्टर ने स्वामीश्री को कौन सा अन्तिम प्रश्न पूछा ? (२९)
५. प्रमुखस्वामी महाराज का विश्व में कौन-सी कौन-सी पार्लामेन्ट में सम्मान हुआ है ? (१६)

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. मुक्तानन्द स्वामी के रचित कीर्तन (२३, २५)
   (१) ☐ भ्रमणा भांगी रे हैयानी, नथी ए वात केने कह्यानी । (२) ☐ संत विना रे साची कौन कहे ।
   (३) ☐ अनुप संतने आपु उपमा (४) ☐ छांडी के श्रीकृष्ण देव, ओर की जो करुँ सेव ।
२. शिवलाल सेठ के संदर्भ में किन विधान सच है ? (७७, ८०)
   (१) ☐ पिता का इकलौता बेटा । (२) ☐ रघुवीरजी महाराज ने साधु होने से मना कर दी ।
   (३) ☐ भायात्मानन्द स्वामी की सेवा की । (४) ☐ गढ़डा में कुत्सित शब्द सुनने पड़े ।
३. भगवान स्वामिनारायण द्वारा स्थापित की गई गुणातीत सत्पुरुषों की चिरंजीवी परंपरा । (६)
   (१) ☐ प्रागजी भक्त (२) ☐ गोपालानंद स्वामी
   (३) ☐ शास्त्रीजी महाराज (४) ☐ तुलसीदास
४. प्रमुखस्वामी महाराज के चमत्कारिक ऐश्वर्य का अनुभव करने वाले व्यक्तियों (२९, ४१)
   (१) ☐ आत्मस्वरूप स्वामी (२) ☐ आनन्दस्वरूप स्वामी
   (३) ☐ नरेन्द्रप्रसाद स्वामी (४) ☐ साधुजीवन स्वामी

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । **[१५]**

१. विद्यार्थीजीवन और स्वामिनारायण महामंत्र (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) अप्रैल-२००९, पा.नं. १४ से १९)
२. आदिवासी ईलाके में बी.ए.पी.एस. सत्संग का उज़ाला । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) अप्रैल - मई - २०११)
३. आहारशुद्धि और आयुर्वेद (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) सप्टेम्बर-२००९, पा.नं. १६ से २३)

❋ ❋ ❋

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १० जुलाई, २०११ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।